Downloaded From :http://cbseportal.com/

अत्यंत गोपनीय – केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

अप्रैल, 2016–17

अंक –योजना – हिन्दी 'ऐच्छिक' कोड संख्या 29/1, 29/2, 29/3

सामान्य निर्देश – मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए –

1. अंक–योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक है। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
2. मूल्यांकन कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार न करके, अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।
3. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
4. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।
5. यदि परीक्षार्थी ने किसी अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर भी लिख दिया है तो अपेक्षाकृत अच्छे उत्तर पर अंक देकर दूसरे अतिरिक्त उत्तर को काट दिया जाए।
6. संक्षिप्त, परंतु उपयुक्त विवेचन के साथ, प्रस्तुत किया गया बिंदुवत उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्व देने की अपेक्षा है।
7. बार–बार की गई एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटे जाएँ।
8. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 100 – का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 100 अंक दिए जाने चाहिए।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – अप्रैल, 2016–17
अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा – XII   कूटबंध – 29/1
29/2
29/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				खंड – 'क'	
1.	1.	2.	1.	अपठित गद्यांश–	15
	क	क	क	• पेड़ का काल आ गया, पेड़ का कायापलट हो गया • काल की कल्पना से मन का उदास होना साथ ही पेड़ से गिरते पत्तों को देखकर आनंद की अनुभूति भी होना	1+1=2
	ख	ख	ख	• टिड्डियों की तरह समूह में पत्तों के गिरने के कारण • एक साथ बिछ जाने के कारण	1+1=2
	ग	ग	ग	हवा के झोंके में पत्ते इधर–उधर गिरकर गोल चक्कर काटने लगे जैसे छोटे बच्चे हँसते–कूदते दौड़कर इधर–उधर जाते हैं।	2
	घ	घ	घ	• टहनियों से पत्तों के अलग होने के	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				कारण/पत्ते सूख जाने पर डाल से एकाएक छूटने के कारण • साँप के केंचुली उतारने से तुलना	1+1=2
	ङ	ङ	ङ	• लेखक में प्रतीक्षा और धैर्य के अभाव से यह सोच कि आने वाला पहले क्यों नहीं आता और जाने वाला निर्धारित समय से पहले क्यों नहीं जाता • प्रत्येक परिस्थिति को एक साथ देखने की चाहत से	1+1=2
	च	च	च	• साँप का केंचुली उतारकर पुनः नवीन होना • पुराने पत्तों को छोड़कर/त्यागकर कोंपल के आगमन से पेड़ का भी नया होना	1+1=2
	छ	छ	छ	• जीवन आने–जाने का नाम है। • जीवन में वसंत के आनंद का समय कम अतः पुराने का शोक न करना, नए का स्वागत करना	1+1=2
	ज	ज	ज	• जीवन का सौन्दर्य • स्वच्छंद पत्ते (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य)	1
2.	2.	1.	2.	**अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न–**	1x5=5

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	क	क	क	• कम देकर ज्यादा पाने की आदत को • यह आदत लोभ को बढ़ावा देती है और मनुष्य कृपण हो जाता है।	½+½=1
	ख	ख	ख	सभी भौतिक साधन उपलब्ध होते हुए भी मन का अतृप्त रहना	1
	ग	ग	ग	परोपकार जीवन की सार्थकता/केवल अपने लिए जीना पशु–प्रवृत्ति/दूसरों के लिए जीना ही श्रेयस्कर	1
	घ	घ	घ	• अपने सारे फल औरों को देते हैं। • दूसरों को छाया आदि सुख प्रदान करते हैं।	½+½=1
	ङ	ङ	ङ	• कभी न चुकने वाला • जीने के लिए दूसरों का सहारा आवश्यक	½+½=1
				खंड – 'ख'	
3.	3.	4.	3.	**किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित :** • भूमिका एवं उपसंहार 1+1=2 • विषय–वस्तु 6 • भाषा 2	10

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं. 29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
4.	4.	3.	4.	– **पत्र–लेखन :** • आरम्भ और अंत की औपचारिकताएँ ½+½=1 • विषय–वस्तु 3 • भाषा 1	5
5.	5.	–	–	**पाँच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर–**	1x5=5
	क	–	–	• किसी घटना को दृश्यों, जुड़े लोगों की बाइट, शोध एवं जरूरी सूचना के साथ ग्राफिक्स आदि लगाकर संपूर्णता में प्रस्तुत करना।	1
	ख	–	–	• विचारपरक नियमित लेखन का एक प्रमुख रूप – कुछ महत्वपूर्ण लेखक जो अपने वैचारिक रुझान के लिए जाने जाते हैं, उनके लेखन को अखबार में स्थान देना।	1
	ग	–	–	• किसी खास विषय पर सामान्य लेखन से हटकर किया गया लेखन	1
	घ	–	–	• छपे हुए शब्दों में स्थायित्व • आराम से पढ़ने की सुविधा • सहज उपलब्ध (किन्हीं दो का उल्लेख)	½+½=1

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	ङ	–	–	• सच्चाई • संतुलन • निष्पक्षता • स्पष्टता	1
	–	6. क	–	• समाचार किसी भी ऐसी ताजी घटना, मुद्दे विकास की रिपोर्ट है जिसमें अधिकाधिक लोगों की रुचि हो/लोगों पर प्रभाव हो।	1
	–	ख	–	• समाचार पत्र का सबसे महत्वपूर्ण पृष्ठ जिसमें विभिन्न घटनाओं और समाचारों पर पत्र की राय एवं महत्वपूर्ण आलेख होते हैं।	1
	–	ग	–	• वाचन की शुद्धता • आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग	1
	–	घ	–	• समाचार संगठनों में संपादक, सहायक संपादक, समाचार–संपादक, मुख्य–संपादक और उप संपादक आदि को द्वारपाल कहा गया है।	1
	–	ङ	–	• छुपी एवं दबाई गई सूचनाओं एवं तथ्यों को शोध और छानबीन द्वारा सामने लाने वाली रिपोर्ट को	1

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	–	–	6. क	• किसी भी खबर को टी.वी. पर दिखाते हुए समाचार को पुष्ट करने के लिए संबंधित व्यक्तियों का कथन	1
	–	–	ख	• व्यापकता एवं गति • दृश्य–श्रव्य का सशक्त माध्यम • प्रत्येक क्षण निःशुल्क अपडेट करने की सुविधा • अनेक माध्यमों की सुविधा एक ही माध्यम में (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	½+½=1
	–	–	ग	• सनसनीखेज समाचारों की प्रस्तुति	1
	–	–	घ	• सरल, सहज एवं स्पष्ट • आम बोलचाल की भाषा	1
	–	–	ङ	• पाठकों एवं दर्शकों को देश–दुनिया की घटनाओं से जागरूक कराने वाला लेखन	1
6.	6.	5.	5.	**आलेख–लेखन :** • प्रस्तुति 2 • विषय वस्तु 2 • भाषा 1	5

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				खंड – 'ग'	
7.				**सप्रसंग व्याख्या –** • कवि व कविता का नामोल्लेख ½ +½ • पूर्वापर संबंध/प्रसंग 1 • व्याख्या बिंदु 5 • विशेष/काव्य–सौंदर्य 1	8
	7.	–	–	माँ की कुल शिक्षा ....वर महामरण। संदर्भ– • कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' • कविता – 'सरोज–स्मृति' प्रसंग – पुत्री की मृत्यु पर पिता का शोकाकुल होना। व्याख्या बिंदु – • मातृविहीना पुत्री का लालन–पालन ननिहाल में होना। • पिता द्वारा पुत्री का विवाह संपन्न कराना। • मामा–मामी का प्यार प्राप्त होना। • पुत्री के लालन–पालन में पिता का सहयोग न कर पाना। • अपने ननिहाल में ही मृत्यु को प्राप्त करना।	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				विशेष – • भाषा, अलंकार, शिल्प आदि।	
	–	7.	–	दहर–दहर दहकेंगे ....बसंत आया। संदर्भ– • कवि – रघुवीर सहाय • कविता – वसंत आया प्रसंग – मनुष्य का प्रकृति से टूटते रिश्ते का संकेत, प्रकृति में हो रहे परिवर्तनों से मनुष्य का निरपेक्ष रहना व्याख्या बिंदु– • वसंत ऋतु आने पर प्रकृति में हो रहे परिवर्तन • पलाश के जंगलों का दहकना • पत्तों का झड़ना • कोयल और भौरों का मस्ती में झूमना • रूप–रस–गंधमय प्रकृति का मनमोहक होना विशेष– • भाषा तथा शिल्प आदि	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	–	–	7.	बहुत दिनान को ....लै सुजान को।। संदर्भ– • कवि – घनानंद • कविता – 'कवित्त' प्रसंग – कवि घनानंद ने अपनी प्रियतमा सुजान से मिलने की इच्छा व्यक्त की है। व्याख्या बिंदु– • घनानंद ने प्रिया के वियोग में अपनी दशा का वर्णन किया है। • हे प्रिय सुजान, हमारे प्राण तुम्हारे आने की प्रतीक्षा में है। • तुम्हारे आने की प्रतीक्षा में मेरे प्राण अटके हुए हैं। • समय की सीमा समाप्त होने वाली है लेकिन तुम नहीं आयी। • तुम्हारी सारी बातें अब झूठी लग रही हैं। • प्राण त्यागकर ही सुजान से मिल सकेंगे। विशेष– • भाषा, अलंकार और शिल्प आदि	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
8.	8.			**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित –**	3+3=6
	क	–	–	• फागुन महीने की हवा ने नागमती के विरह को चार गुना बढ़ा दिया है। • विरह के कारण शरीर का पीला पड़ जाना • चारों तरफ पेड़ से पत्तों का झड़ना • वसंत में सभी आनंदित लेकिन नागमती का हृदय जल रहा है। • राख बनकर भी पति से मिलने की चाहत (किन्हीं तीन का उल्लेख अपेक्षित)	3
	ख	–	–	• 'दीप' व्यक्ति का प्रतीक। • सर्वगुण शक्ति संपन्न व्यक्ति की सार्थकता समाज हित में • दीप का समूह में विलय होना उसकी शक्ति और सत्ता का सार्वभौमीकरण है। • समाज के साथ व्यक्ति का विलय राष्ट्र के लिए उपयोगी • व्यक्तिगत सत्ता को सामाजिक सत्ता से जोड़ना	3
	ग	–	–	• दया, करुणा, सहनशीलता तथा भ्रातृ–प्रेम, परोपकारिता जैसे गुणों की ओर (स्पष्टीकरण हेतु उदाहरण अपेक्षित)	3

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	–	8. क	–	• वर्तमान समय में ईमानदार आदमी की स्थिति पर व्यंग्य • ईमानदार ही दूसरों के समक्ष हाथ फैलाने के लिए मजबूर • भ्रष्ट, स्वार्थी लोगों का बोलबाला तथा ईमानदार आदमी बेबस	3
	–	ख	–	• घनानंद के हृदय की वेदना का मार्मिक चित्रण • प्रेम पत्र में सुजान के ही सुंदर चरित्र का वर्णन, अन्य किसी बात का नहीं • सुजान ही एकमात्र सच्चे प्रेम की निशानी • पत्र को बिना देखे नायिका द्वारा फाड़ कर फेंक देना	3
	–	ग	–	• विद्यापति की नायिका सखी से कहती है कि जन्म–जन्मांतर से अपने प्रियतम का रूप निहारती रही फिर भी मन, नयन अतृप्त ही रहे • प्रियतम के प्रति समर्पित प्रेम भावना	3
	–	–	8. क	• 'दीप' व्यक्ति का प्रतीक • पंक्ति समाज का प्रतीक • व्यक्ति के सामर्थ्य, शक्ति की सार्थकता समाज (समष्टि) में मिल जाने के बाद ही	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• व्यक्ति अपने अहंकार का त्याग कर समष्टि में मिल सकता है। • व्यष्टि के समष्टि में मिलने से समाज को नई दिशा, ऊर्जा तथा दृष्टि मिलती है।	3
	–	–	ख	• फागुन महीने में चलने वाली हवा ठंडी • चारों तरफ पत्ते झड़ते हैं। • ढाक के वन सूने पड़े हैं। • पेड़–पौधे फल–फूल से रहित • वसंत के आगमन से हर्षोल्लास, उत्सव • नायिका ठंड सहन नहीं कर पा रही • शरीर पीला पड़ गया है। • वसंत में भी पति के न आने पर उदासी • विरह–व्यथा का बढ़ते जाना (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	3
	–	–	ग	• देवसेना को अपने जीवन में वेदना के अतिरिक्त कुछ भी नहीं मिला • वह संघर्ष करते–करते थक गयी है। • देवसेना अपनी करुणा में लिप्त होकर संसार से निवेदन करती है कि प्रेम रूपी धरोहर अब उससे नहीं संभाली जाएगी • असफल प्रेम के लिए अत्यंत दुखी	3

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• यादों से मुक्त होना चाहती है (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	
9.	9.	11.	11.	**किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य सौंदर्य अपेक्षित–** भाव सौंदर्य + शिल्प सौंदर्य = 2+1	3+3=6
	क	क	क	सुनते हैं मिट्टी में............व्यापी कैसी ऊब है। • प्रकृति से मन की तुलना • प्रकृति में बंजर, ऊसर भूमि की तरह मन में ऊब, उदासी है। • उसे मन से निकालकर मन को सकारात्मक, सृजनशील, प्रगतिशील बनाना • खड़ी बोली, सहज, सरल भाषा • धरती–परती में स्वर मैत्री • लयात्मकता आदि	3
	ख	ख	ख	हेम कुंभ ले उषा.....................रजनी भर तारा। • ऊषा रूपी नायिका स्वर्ण कलश लेकर आती है और प्रातःकालीन स्वर्णिम किरणें फैलाकर धरती पर सुख बिखेरती हैं। • आकाश में मौजूद सुखों के सरोवर की पहरेदारी करनेवाले समस्त तारागण रात्रि जागरण के कारण आलस्य से ऊँघने लगते	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				हैं। • संपूर्ण सृष्टि के नींद में होने पर ऊषा का आगमन • नई चेतना–स्फूर्ति का संचार • तत्सम प्रधान हिन्दी • खड़ी बोली • रूपक अलंकार, मानवीकरण अलंकार	3
	ग	ग	ग	जे पय प्याइ पोखि.....................कमल हिम मारे।। • कौशल्या द्वारा घोड़ों की दशा बताकर राम को अयोध्या लौटने के लिए कहना। • जिन घोड़ों को प्यार से राम ने पाला है, भरत द्वारा उनकी सेवा करने पर भी वे उदास रहते हैं। • वे दिन–प्रति–दिन ठंड से प्रभावित कमल की तरह मुरझाते जा रहे हैं। • अनुप्रास, रूपक, पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार • ब्रजभाषा • वियोग श्रृंगार • लयात्मकता	3
10.				**गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–** • लेखक एवं पाठ का नामोल्लेख ½+½ • पूर्वापर प्रसंग 1 • व्याख्या बिंदु 3	6

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	10.	–	–	• गद्यांश की शिल्पगत विशेषताएँ 1 साहित्य का पांचजन्य.......................बुलावा देता है। संदर्भ– • लेखक – डॉ. रामविलास शर्मा • पाठ – 'यथास्मै रोचते विश्वम्' प्रसंग – लेखक ने साहित्य के महत्व को प्रतिपादित करते हुए उसे मनुष्य को उन्नति के मार्ग पर अग्रसर करने का साधन माना है। व्याख्या बिंदु– • साहित्य की तुलना कृष्ण के पांचजन्य शंख से की गई है। • जीवन का युद्ध साहित्य की प्रेरणा से जीता जा सकता है। • साहित्य मनुष्य को कर्मठ बनने की प्रेरणा देता है। • साहित्य कायरों को कर्मक्षेत्र में उतरने के लिए ललकारता है। • आलस्य से मुक्ति दिलाता है। विशेष– • खड़ी बोली, तत्सम्प्रधान भाषा • वर्णनात्मक एवं उदाहरण शैली	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	–	10.	–	अब संभव ने गौर किया............उधर लग जाती है। संदर्भ– • लेखिका – ममता कालिया • पाठ – 'दूसरा देवदास' प्रसंग – प्रेम के उदात्त रूप और निहित रोमांच का अनुभव करते हुए संभव का आनंदित होना व्याख्या बिंदु– • पारो को देखकर संभव का प्रसन्न होना • ईश्वर को धन्यवाद करते हुए मनोकामना की गाँठ पर अगाध विश्वास होना • सफलता मिलने पर आस्था का प्रबल होना • मंसा देवी पर एक और चुनरी चढ़ाने का संकल्प लेना विशेष– • सहज, सरल, खड़ी बोली • तत्सम् शब्दों का प्रयोग • वर्णनात्मक एवं भावात्मक शैली	
	–	–	10.	नाम इसलिए बड़ा...................चित्त–गंगा में स्नात। संदर्भ– • लेखक – हजारी प्रसाद द्विवेदी • पाठ – 'कुटज'	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				प्रसंग – नाम के संदर्भ में लेखक ने कुटज के महत्व को स्पष्ट किया है। व्याख्या बिंदु– • नाम का महत्व रूप से बड़ा है। • नाम समाज द्वारा स्वीकृत है। • नाम का उच्चारण करते ही रूप गुण तथा सामाजिक उपयोगिता के आधार पर महत्व • समाज में प्रत्येक व्यक्ति अपनी स्वीकृति चाहता है, मनुष्य के मन में निवास करना चाहता है।लेखक द्वारा कुटज के नाम की चर्चा के माध्यम से सामाजिक प्रक्रिया की पड़ताल विशेष– • संस्कृतनिष्ठ भाषा। • वर्णनात्मक शैली।	
11.	11. क	12. क	9. क	– **किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित** – • मंसा देवी के मंदिर में चढ़ावा के लिए सामान का बिकना • मुनाफे का ध्यान रखा जाना • लाल–पीले धागे सवा रुपये में बिकना • मनौती के लिए, आशीर्वाद के लिए भी पैसा लेना	4+4=8

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• स्त्रियों के श्रृंगार प्रसाधन की वस्तुएँ आदि बढ़े–चढ़े दामों में • मालाएँ बहुत महंगी, नकली रूद्राक्ष की बिक्री	4
	ख	ख	ख	• वह अब बड़ी बहुरिया को कोई कष्ट नहीं होने देगा • वह उसकी माँ है हरगोबिन उसका बेटा • वह कामचोरी नहीं करेगा और बड़ी बहुरिया की देखरेख करेगा • उसे अपने गाँव की इज्जत का ध्यान था • बड़ी बहुरिया को गाँव की लक्ष्मी मानना	4
	ग	ग	ग	• धर्म पर किसी का अधिकार नहीं साधारण व्यक्ति भी धर्म के रहस्यों की जानकारी रख सकता है। • विशेष व्यक्ति द्वारा शोषण करने के अधिकार से मुक्ति • सामान्य जन भी समाज की उन्नति में सहायक • धर्म के रहस्यों को जानने से छल से बचाव • धर्म समाज के लिए होता है न कि किसी व्यक्ति–विशेष के लिए	4

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
12.	12.	9.	12.	<u>**जीवन परिचय**</u> किसी एक का संक्षिप्त जीवन परिचय अपेक्षित– • जीवन परिचय 2 • रचनाएँ (दो का उल्लेख अपेक्षित) 1 • साहित्यिक विशेषताएँ सोदाहरण 3 <u>**रामचन्द्र शुक्ल**</u> जन्म एवं जीवन परिचय– • उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के अगोना गाँव में जन्म • प्रारंभिक शिक्षा उर्दू, अंग्रेजी और फारसी में • इंटरमीडिएट तक विधिवत् शिक्षा • उच्चकोटि के आलोचक, इतिहासकार और साहित्य–चिंतक रचनाएँ– • हिन्दी साहित्य का इतिहास • हिन्दी शब्द सागर की भूमिका • चिंतामणि (चार खंड) • रस–मीमांसा, गोस्वामी तुलसीदास • सूरदास आदि (कोई दो अपेक्षित) साहित्यिक विशेषताएँ– • विवेचनात्मक शैली	6

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	अथवा	अथवा	अथवा	• सूत्रात्मक भाषा • व्यंग्य और विनोद का प्रयोग • जीवंत और प्रभावशाली गद्‌य • व्यापक शब्द चयन और शब्द संयोजन • तत्सम् शब्दों से लेकर प्रचलित उर्दू शब्दों का प्रयोग (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित) **अथवा** **निर्मल वर्मा** जन्म एवं जीवन परिचय – • शिमला में जन्म • दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास में एम.ए. किया और फिर अध्यापन कार्य • चेकोस्लोवाकिया के प्राच्य–विद्या संस्थान प्राग के आमंत्रण पर वहाँ गए रचनाएँ – • जलती झाड़ी • परिंदे • वे दिन • शब्द और स्मृति • ढलान से उतरते हुए आदि	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	अथवा	अथवा	अथवा	साहित्यिक विशेषताएँ– • विचार – सूत्र की गहनता • भाषा में उर्दू एवं अंग्रेजी के शब्दों का स्वाभाविक एवं सटीक प्रयोग • गद्य का सर्जनात्मक रूप • सामाजिक मुद्दों पर संवेदनात्मक लेखन **अथवा** **मलिक मुहम्मद जायसी** जन्म एवं जीवन परिचय– • अमेठी उत्तर प्रदेश के निकट जायस गाँव में जन्म • जायस में जन्म होने के कारण जायसी • सैय्यद अशरफ और शेख बुरहान से शिक्षा प्राप्त की • सूफी संत परंपरा में रचनाएँ– • पद्मावत • अखरावट • आखिरी कलाम आदि साहित्यिक विशेषताएँ– • मसनवी शैली • ठेठ अवधी भाषा से उत्कृष्ट साहित्य की	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				रचना • सूफी प्रेममार्गी कवि • प्रेम का लोकधर्मी रूप • दोहा–चौपाई छंद का प्रयोग • प्रौढ़ और गंभीर काव्य–शैली • मुहावरे, लोकोक्तियाँ तथा अलंकारों का प्रयोग	
				अथवा	
	अथवा	अथवा	अथवा	**<u>जयशंकर प्रसाद</u>**	
				जन्म एवं जीवन परिचय – • काशी में जन्म • स्वाध्याय द्वारा शिक्षा प्राप्त • संस्कृत, पालि, उर्दू, अंग्रेजी साहित्य का गहन अध्ययन • इतिहास, दर्शन, धर्मशास्त्र आदि विषयों का अध्ययन • राष्ट्रीय जागरण एवं सामाजिक जागृति साहित्य के मूल तत्व	
				रचनाएँ – • नाटक – अजातशत्रु, स्कंदगुप्त, चंद्रगुप्त, राजश्री आदि • उपन्यास – कंकाल, इरावती, तितली • कहानी – आँधी, छाया, आकाशदीप	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
13.	13.	13.	13.	• कविता–संग्रह– झरना, आँसू, लहर, कामायनी आदि (किन्हीं दो रचनाओं के नाम अपेक्षित) काव्यगत विशेषताएँ– • प्रसाद साहित्य का स्वर राष्ट्रीय जागरण तथा सामाजिक जागृति का है। • प्राचीन भारतीय संस्कृति के गौरव के माध्यम से जीवन मूल्यों की स्थापना • छायावादी आंदोलन के प्रमुख कवि • प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण • प्रतीक–योजना, बिम्ब विधान एवं अलंकारों का सुंदर प्रयोग • प्रेम और सौंदर्य की अनुभूति की अभिव्यक्ति • सूरदास दृढ़ विश्वासी, कर्मठ, चरित्रवान, दृष्टिहीन भिखारी है। • झोंपड़ी के जलने से दुखी है, हताश नहीं • मिठुआ की बातों से प्रभावित • नई आशा, स्फूर्ति का संचार • झोंपड़ी के जलने पर प्रतिशोध नहीं पुनर्निर्माण पर विश्वास	5

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				(विद्यार्थियों की समझ तथा अभिव्यक्ति को महत्व दें)	
14.	14.	14.	14.	**दो प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित–**	5+5=10
	क	क	क	• नदियाँ औद्योगीकरण का शिकार • कारखानों की गंदगी नदियों में प्रवाहित • कूड़े–कचरे के प्रबंधन नहीं होने से • मवेशियों को नहाने, शौच आदि का त्याग • घरेलू कार्यों आदि को नदी में करना • नदी की स्वच्छता, पवित्रता के बारे में जानकारी • जीवन से नदियों के संबंध को समझना आदि (स्वच्छ रखने में योगदान संबंधी विद्यार्थियों के उचित तर्क स्वीकार्य)	5
	ख	–	–	• माँ और बतख दोनों का अपने बच्चे से ममत्व का भाव रखना • बतख की तरह ही ममता और अपने बच्चे का ध्यान रखना • माँ की ममता में दिखावा, छलावा नहीं • माँ की ममता और बतख की ममता दोनों ही ईश्वरीय देन है।	5

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				(विद्यार्थियों के उपयुक्त तर्क भी स्वीकार्य)	
	–	ख	–	• भूप सिंह का चरित्र कठिनाइयों से लड़ने वाला है। • अथक परिश्रमी, साहसी और निडर • पुनर्निर्माण करने वाला • जिन्दगी के उतार–चढ़ाव में विचलित न होकर संघर्ष करने वाला • आत्मविश्वासी व्यक्ति • परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाने की क्षमता	5
	–	–	ख	• वर्षा आने से पहले आकाश में काले–काले बादल छा जाते हैं और ऐसा लगता है मानो दिन में ही रात हो गई हो। • बादलों में गरजने से संपूर्ण वातावरण संगीतमय हो जाता है। • बारिश की बूँदें दौड़ते घोड़ों की कतार की	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				तरह आती हुई लगती हैं। • बारिश के साथ जोरों की आँधी चलती है, घरों के छप्पर उड़ने लगते हैं। • कई दिनों तक लगातार बारिश से दीवार गिरने लगती हैं। • भीषण गरमी से जानवरों को राहत आदि (विद्यार्थियों द्वारा दिए गए अन्य उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य)	5

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE